दिनांक: __________

सेवा में,
कार्यकारी अभियंता,

____
____

विषय: नए और मौजूदा बिजली उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर लगाने की अनिवार्यता पर आपत्ति – उपभोक्ताओं के कानूनी अधिकार और विकल्प

आदरणीय महोदय/महोदया,

हम, Awaken India Movement (AIM) की ओर से यह पत्र लिख रहे हैं। AIM एक राष्ट्रीय स्तर का नागरिक मंच है जो आम लोगों के अधिकारों की रक्षा और सही जानकारी के प्रचार-प्रसार के लिए काम करता है।

हमें ये ज्ञात हुआ है कि ____ क्षेत्र में कई उपभोक्ताओं को जबरन स्मार्ट मीटर लगाने के लिए दबाव डाला जा रहा है, जबकि उनके पास पहले से ठीक-ठाक काम करने वाले मीटर लगे हुए हैं और उन्होंने कोई सहमति नहीं दी है। यह एक चिंताजनक विषय है,

हम इस पत्र के माध्यम से कुछ अहम बातें स्पष्ट करना चाहते हैं:

1. स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य नहीं है

- पश्चिम बंगाल सरकार ने भी घर के उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से इन्कार करने का अधिकार दिया है।
- 2020 के उपभोक्ता अधिकार नियम के तहत (Rule 47(5)) हर उपभोक्ता को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुनने का कानूनी अधिकार है।

2. कानून क्या कहता है:

- बिजली अधिनियम 2003 की धारा 55 और 166
- उपभोक्ता अधिकार नियम, 2020 – नियम 47(5)
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) नियम 2019 – इन पर देशभर में कानूनी चुनौतियाँ जारी हैं

3. स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याएं:
- बिल ज्यादा आना या बिल में गड़बड़ी

#1 हिन्दी न्यूज़ वेबसाइट

फोटो | वीडियो | शहर चुनें | ई- पेपर | साइन इन | यहाँ लिखें

होम राज्य देश क्रिकेट मनोरंजन बिजनेस करियर नई दिशाएं NEW विदेश वेब स्टोरी धर्म राशिफल लाइफस्टाइल ऑटो

फोटो गैलरी

UPI यूजर्स के लिए जरूरी अलर्ट! 1 अगस्त से बदल रहे हैं UPI के 3 रूल्स, तुरंत जान लें वरना हो सकती मुसीबत 6

फ्लोरल प्रिंट में पहनें ये सुंदर डिजाइन के सूट, पलटकर देखेंगे लोग 9

घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए? वास्तु एक्सपर्ट से जानें मेनगेट से जुड़े 6 नियम 7

Hindi News ▸ Uttar-pradesh News ▸ Badaun News ▸ Smart Meters Cause Billing Issues for Electricity Consumer

उपभोक्ताओं को सिरदर्द बने स्मार्ट मीटर

Badaun News - बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से राहत की जगह सिरदर्द मिल रहा है। उपभोक्ताओं को न समय पर बिल मिल रहे हैं और न ही बिल में गड़बड़ियों का समाधान हो रहा है। कई उपभोक्ताओं के बिल अधिक या शू...

Newswrap • हिन्दुस्तान, बदायूं

Thu, 24 July 2025 05:11 AM

Share Follow Us on

विज्ञापन

- बिना बताए बिजली काटने की ताकत कंपनी के पास
- 24x7 रेडिएशन और डेटा निगरानी से स्वास्थ्य और प्राइवेसी पर असर
- मीटर के डेटा, कंट्रोल और सुरक्षा को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं

स्मार्ट मीटर से आग लगने की घटनाएं:
- भोपाल, जबलपुर और ठाणे जैसे शहरों में स्मार्ट मीटर में आग लगने या फटने की घटनाएं हुई हैं।
- इन घटनाओं ने न केवल बिलिंग को लेकर लोगों में अविश्वास बढ़ाया है, बल्कि जान-माल की सुरक्षा को भी खतरे में डाला है।

4. हमारी मांगें:

हम ______________________ डिवीजन से निवेदन करते हैं कि:

1. तुरंत प्रभाव से जबरन स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान रोका जाए।
2. सरकारी सूचना जारी कर बताया जाए कि पहले से मौजूद कनेक्शन वालों / नए कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर लगवाना वैकल्पिक (optional) है।
3. मीटर बदलने से पहले उपभोक्ता की लिखित सहमति ली जाए।
4. जो लोग इनकार करना चाहते हैं उनके लिए स्पष्ट प्रक्रिया बताई जाए।
5. अगर उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन होता है, तो उन्हें ERC (Electricity Regulatory Commission) में शिकायत करने में सहयोग दिया जाए।

हम शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से इसका विरोध करते हैं और यदि ऐसी जबरदस्ती जारी रहती है, तो हम प्रभावित लोगों की तरफ से ERC और अन्य संस्थाओं में याचिका दाखिल करेंगे।

कृपया इस पत्र का जवाब 15 कार्यदिवस के अंदर लिखित रूप में दें और बताएं कि स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर आपकी आधिकारिक नीति क्या है।

आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

सादर,

Awaken India Movement की ओर से
नाम: ______________
पद: क्षेत्र समन्वयक
ईमेल: ______________
फ़ोन: ______________
वेबसाइट: www.awakenindiamovement.com